

अध्यादेश-५६ की कोडिका-१० के प्रावधानानुसार  
 त्रि.लिद. संस्कृत शोध-प्रबंध के त्रै.लिद. प्रस्तुतिकरण  
 हेतु स्त्री विंग कमेटी की बैठक आज मंगलवार  
 दिनांक १४ जनवरी २०२२ को इन्हें १०.३० बजे  
 कुलपति सचिवालय सभा-कक्ष में आयोजित की  
 गई -

### उपस्थिति -

१. डॉ. केशरी लाल वर्मा - अध्यक्ष
- कुलपति,
२. प्रो. किशोर चंद्र पाटी, पुरी - कार्य विशेषज्ञ
३. प्रो. भगवन्त सिंह - अध्यक्ष, कला संकाय
४. प्रो. शैल शर्मा - अध्यक्ष, अध्ययन शाला
५. डॉ. सत्येन्दु शर्मा - अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन  
 मंडल

### कार्यसूची -


शोधार्थी डॉ. राजेश्वरी महल रामसुन्दर दास  
 द्वारा पी.पी.टी. माध्यम से सभिति के अध्यक्ष  
 शोध-प्रबंध का प्रस्तुतिकरण किया गया।  
 शोधार्थी द्वारा अध्यादेश-५६ (व) के पालन में  
 प्रकाशित शोध पत्रों का अवलोकन किया सभिति  
 के सदस्यों द्वारा किया गया। संस्कृत शोध-प्रबंध  
 एवं शोध-सारांश का अवलोकन किया  
 गया। बैठक में सभिति के सदस्यों के

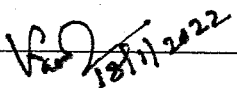
प्रस्ताव विश्वविद्यालय के शिक्षक गण एवं  
संस्कृत के विद्वतजग उपस्थित हुए।

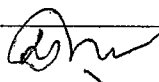
शोधार्थी का नाम - डॉ. राजेश्वरी महंत रामसुन्दर दास  
शोध केन्द्र - शास. दूषाधारी श्री वैष्णव  
संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय,  
रायपुर

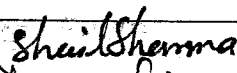
शोध का शीर्षक - संस्कृतरामायणेषु धर्मशास्त्रीयविचारः -  
एकमध्ययनम्


शोधार्थी द्वारा शोध-प्रबंध के प्रस्तुतिकरण  
के उपरांत समिति यह अनुशंसा करती है  
कि शोध-प्रबंध मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत  
किया जाए।

  
(प्रो. भगवन्त सिंह)  
अध्यक्ष

  
(प्रो. के. सी. पादी)  
वार्ड विशेषज्ञ

  
(डॉ. सत्येन्दु शर्मा)  
अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन मण्डल

  
(प्रो. शैल शर्मा)  
अध्यक्ष, अध्ययन शाला

  
(डॉ. केशरी लाल वर्मा)  
अध्यक्ष